डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 199 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 05 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

इस बार एमपी आनलाइन से नहीं होंगे रजिस्ट्रेशन

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल के 12वीं के रिजल्ट 10 मई से पहले घोषित होने की संभावना है। ऐसे में प्रदेश भर के कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से शुरू की जाएगी। इस बार एमपी आनलाइन के बदले दूसरे पोर्टल से पंजीयन होंगे। विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश दिलाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके लिए इस बार सभी जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

हेल्पलाइन नंबर भी किया जारी–वहीं उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन काउंसलिंग की व्यवस्था की है, जहां विद्यार्थी ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। प्रवेश से संबंधित सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 18008908399 और हेल्पलाइन नंबर 8000063632 भी जारी किए गए हैं।

गोली-बिस्कीट की तरह नशे की सप्लाय... प्रतापगढ़ क्षेत्र की...

एमडीएमए ड्रग से उड़ता मालवा

राजस्थान बार्डर से मंदसौर के रास्ते मालवा में तस्करों की पकड़

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। इंदौर से लेकर मंदसौर तक स्मेक, अफीम, गांजा, चरस का चलन एक दशक में बढ़ा। इस तस्करी को लेकर एक माफिया गैंग का पूरा नेटवर्क तैयार हुआ। जिसके बाद करीब चार साल पहले मालवा के मंदसौर, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर जैसे बड़े जिलों में तस्करों ने सिंथेटिक ड्रग एमडीएमए की तस्करी शुरु की। स्थानीय पुलिस ने इसको लेकर कार्रवाई भी की। लेकिन, कहीं न कहीं प्रतापगढ़ जिले के तस्कर मंदसौर सहित मालवा को उड़ता मालवा बना रहे है। मालवा, मेवाड़ और मारवाड़ में प्रतापगढ़ से मादक पदार्थ की सप्लाय की खबरें आती है। मालवा में मंदसौर के रास्ते इसकी सप्लाय होती है। कई बार मंदसौर पुलिस की कार्रवाई ने इसे प्रमाणित भी किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि वाहनों से छोटे छोटे पैकेट में गोली बिस्की की तरह ड्रग्स की सप्लाय तस्कर कर रहे हैं।

संगठित गिरोह, युवा तस्कर और नए-नए रूट...

प्रतापगढ़ से संचालित हो रहे गिरोह अब संगठित रूप से दो प्रमुख रूट से काम कर रहे हैं। पहला रूट मालवा क्षेत्र का है, जहां से एमडी ड्रग्स और ब्राउन शुगर की खेप मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन और इंदौर भेजी जा रही है। दूसरा रूट मारवाड़ का है, जहां अफीम और डोडाचूरा की खेप प्रतापगढ़ से धोलापानी, छोटीसादड़ी होते हुए चित्तोड़गढ़, अजमेर के रास्ते पाली और बाड़मेर तक जाती है। इन गिरोहों में 18 से 30 वर्ष की उम्र के युवाओं को जोड़ा जा रहा है, जिन्हें पहले नशे का आदी बनाया जाता है और फिर तस्करी के काम में लगाया जाता है। एमडी और ब्राउन शुगर जैसे ड्रग्स की खेप छोटी-छोटी मात्रा में पैक कर बाइक, स्कूटर, कार के टायर और टंकी में छिपाकर पहुंचाई जाती है। प्रतापगढ़ के अरनोद, कोटड़ी और हथुनिया थाना क्षेत्र पहले अफीम-डोडा के लिए बदनाम थे, अब ये एमडी और बाउन शुगर के ठिकाने बनते जा रहे हैं। वहीं रठांजना और छोटीसादड़ी थाना क्षेत्र से आज भी अफीम और डोडाचूरा की मारवाड़ में सप्लाय हो रही है।

मणिपुर से मंदसौर और प्रतापगढ़ दोनों का कनेक्शन...

कुछ दिनों पहले पुलिस ने एनडीपीएस के तहत जो कार्रवाई की है। उसमें मणिपुर का नाम भी सामने आया है। इसी तरह से प्रतापगढ़ पुलिस की कार्रवाई में भी मणिपुर से तार जुड़े होने की बात सामने आई। तो कहीं न कहीं मंदसौर का प्रतापगढ़ का कनेक्शन तस्करी में निश्चित रूप से सीधा जुड़ा हुआ है। बता दे कि कुछ माह पहले प्रतापगढ़ कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 50 करोड़ रुपए की - ब्राउन शुगर क्रूड जब्त की थी। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि वह सामग्री मणिपुर से लाई गई थी और यहीं पर उसका प्रोसेसिंग कर ब्राउन शुगर तैयार होनी थी जो प्रतापगढ़ में होने वाली थी। इससे यह साफ हो गया कि प्रतापगढ़ न सिर्फ राजस्थान या एमपी का हब है, बल्कि पूर्वोत्तर भारत से भी इसका सीधा संपर्क है। छोटे गांवों में बने फार्महाउस और बाड़ों में ये माफिया रासायनिक प्रोसेसिंग कर रहे हैं और यहां से पूरे देश में जहरीली खेप भेजी जा रही है। वहीं एमडी ड्रग्स की बात करें तो एमपी में पकड़ाई सबसे बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री का सरगना भी प्रतापगढ़ से जुड़ा पाया गया था।

मंदसौर के तस्कर कार-बाइक से बेच रहे थे नशा...

हाल ही में इंदौर, पाली और प्रतापगढ़ में हुई कार्रवाई के बाद खुलासा हुआ कि एमडी की खेप प्रतापगढ़ से इंदौर भेजी गई थी। वहीं पाली में पकड़ी गई अफीम की खेप प्रतापगढ़ के ही रठांजना थाना क्षेत्र से रवाना हुई थी। 26 अप्रैल को इंदौर क्राइम ब्रांच और एरोड्रम थाना पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया, इनके पास से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। बाजार मूल्य 1 करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई। पकड़े गए आरोपी अहमद शाह (42), निवासी प्रतापगढ़ और पप्पू (45) निवासी मंदसौर युवाओं को कार और बाइक पर घूमकर नशा सप्लाई करते थे। दोनों ने पूछताछ में खुलासा किया कि एमडी ड्रग्स प्रतापगढ़ से लाते थे। उधर, पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र में 3 किलो अफीम के साथ एक युक्क को पकड़ा गया। तस्कर की पहचान कृष्णपाल सिंह सिसोदिया के रूप में हुई, जो प्रतापगढ़ के रठांजना थाना क्षेत्र के गरदोड़ी गांव का रहने वाला है। वह बाइक की पेट्रोल टंकी में अफीम छिपाकर मारवाड़ के लिए निकला था।

हंगामा हुआ खत्म, टेंशन अभी भी बरकरार

शराब दुकान को लेकर फिर विरोध प्रदर्शन, फिर दिया कुछ दिनों का अल्टीमेटम

मंदसौर/ दलौदा, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। शनिवार की रात फिर दलौदा में महू-नीमच हाईवे स्थित पदमिनी विहार कॉलोनी के पास शराब की दुकान का विवाद सामने आया। स्थानीय निवासियों ने शनिवार रात दुकान हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों का कहना है कि शराब की दुकान रिहायशी क्षेत्र में है और मंदिर के पास भी स्थित है। यहां शराबी आए दिन हंगामा करते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी होती है। दलौदा थाना प्रभारी मनोज गर्ग मौके पर पहुंचे और उन्होंने स्थानीय लोगों को समझाइश दी कि आगामी 2 से 3 दिन में दुकान को शिफ्ट करवा दिया जाएगा। हालांकि, शिफ्टिंग का आश्वासन जरुर मिला है। लेकिन, प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने दो से तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर दुकान नहीं हटाई गई तो आंदोलन किया जाएगा। कहीं न कहीं हंगामा तो खत्म हो गया। लेकिन, पुलिस की टेंशन तब तक बरकरार रहेगी जब तक दुकान हट नहीं जाती।

ठेकेदार का आश्वासन- हटा लेंगे दुकान...

टीआई मनोज गर्ग ने बताया कि कुछ दिन पहले भी लोगों ने शराब की दुकान हटाने को लेकर विरोध किया था, जिस पर ठेकेदार ने दुकान हटाने का आश्वासन दिया था। पुलिस ने अब शराब ठेकेदार को निर्देश दिए हैं कि दुकान को जल्द से जल्द शिफ्ट करें। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर 2-3 दिन में दुकान नहीं हटी तो वे उग्र आंदोलन करेंगी। बता दें कि मंदसौर में बाबा पशुपतिनाथ मंदिर होने की वजह से शहर को शराबबंदी वाले 17 शहरों में शामिल किया गया है। इसकेचलते शराब के शौकीन आसपास के क्षेत्रों का रुख कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शराब दुकानों का विरोध बढ़ रहा है।

तीन शराब की दुकानों को प्रशासन ने बंद कराया

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नगरपालिका क्षेत्र को शराब बंदी के दायरे में लाने के बाद भी शहर में कई अवैध शराब के ब्लेकिये लगातार शराब बेच रहे थे। इस बात को ध्यान में रखते हुए आबकारी अधिकारी को कई बार समझाया गया। लेकिन, आबकारी अधिकारी अपनी ही चलाते रहते हैं। यही कारण हैं कि उनके द्वारा ठेकेदारों को अवैध जगह अलाट कर दी गई। हालात इतने बदतर हों गये कि मंदसौर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित नंदावता क़ी कंपोजिट दुकान मंदसौर शहर के करीब लगाने क़ी अनुमति दे दी गई। आबकारी अधिकारी को यह भी समझ नहीं आ रहा हैं कि पवित्र शहर क्या होते हैं और उनके लिये क्या नियम बनाये गये हैं। यही कारण हैं कि वे लिफाफा देखकर ही हस्ताक्षर कर देते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण प्रतापगढ़ रोड पर स्थित दुकान कि एनओसी देना हैं।

यह सब देखकर शनिवार को उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने प्रशासन के उच्च अधिकारियों कलेक्टर और पुलिस कप्तान से चर्चा की और बीजेपी सरकार के शराब बंदी के निर्णय से अवगत कराया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के जनहित में दिए गये आदेश को लागू करने के निर्देश दिए कि पवित्र नगर मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर के समीप लगी सभी शराब की दुकानें तत्काल बंद कर संबंधित शराब ठेकेदार और भूमि स्वामी के खिलाफ कारवाई की जाए और भविष्य में पवित्र नगर में अवैध शराब बिकना पाई जाती है तो सबंधित बिट के पुलिस और आबकारी अधिकारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाए।

इसके बाद पूरा प्रशासन हरकत में आया और पशुपतिनाथ मंदिर के समीप सर्किट हाउस पर संचालित शराब दुकान और एमआईटी चौराहे पर संचालित और प्रतापगढ़ रोड़ हाइवे पर संचालित शराब दुकानों को बंद कर दिया गया है और कार्यवाही जारी है। इस अभियान में संजीत रोड स्थित नई दुकान जिसका रहवासियों द्वारा विरोध किया जा रहा हैं, उसे नहीं छेड़ा गया हैं!

नाबालिग भाई को हवालात में रखा..!

एसआई पर थाने में फरियादी को थप्पड़ मारने का आरोप, पीड़ित बोला-बीजेपी नेता मकान हड़प रहे

नीमच, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में रविवार को मकान की दीवार तोड़ने की शिकायत लेकर थाने पहुंचे युवक को एसआई बीएल चौहान ने थप्पड़ जड़ दिया। आरोप है कि पीड़ित के 17 वर्षीय नाबालिग भाई को भी पुलिस ने आधे घंटे तक हवालात में बंद रखा। इस घटना का वीडियो रविवार को सामने आया है। मामला कैंट थाना क्षेत्र के जवाहर नगर का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित राहुल पामेचा निवासी जवाहर नगर ने बताया कि नागौरी उनका पुश्तैनी मकान हड़पना चाहते हैं। शनिवार दोपहर को नागौरी 8-10 लोगों के साथ मकान पर पहुंचे। इनमें देवप्रकाश और शंभूलाल अहीर भी शामिल थे। सभी ने मिलकर मारपीट की और सब्बल से दीवार तोड़ दी।

बीजेपी नेता पर धमकियां देने का आरोप...

पीड़ित ने भाजपा नेता अनिल नागौरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा नेता खुली धमकियां दे रहे हैं। वे कह रहे हैं कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। थाने में कितनी भी शिकायतें करें, कोई कार्रवाई नहीं होगी। सीनियर अधिकारियों और थाना प्रभारी के संज्ञान में आने के बाद ही पीड़ित की रिपोर्ट दर्ज की गई। पीड़ित को मेडिकल जांच के लिए भी भेजा गया है। कैंट थाना प्रभारी पुष्पा चौहान ने बताया कि मेडिकल आने के बाद देखेंगे क्या मामला है, फिलहाल किसी काम से बाहर हूं। पूरा मामला भी संज्ञान में नहीं आया है। वापस आकर मामला दिखवाएंगे। अभी कुछ कहना भी उचित नहीं होगा।

जननी एक्सप्रेस की टक्कर से बाइक सवार की मौत...

चालक ने टक्कर मारकर एंबुलेंस में बैठाया, रास्ते में फेंका..?

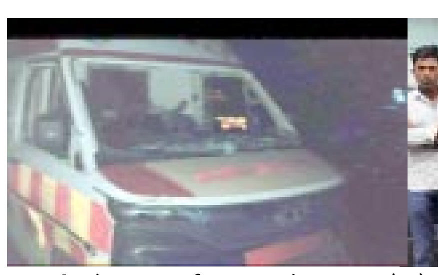

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। शामगढ़ क्षेत्र में एक जननी एक्सप्रेस ने बाइकसवार को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में घायल को एंबुलेंस में बैठाया। घायल को अस्पताल ले जाने की बजाय उसे शामगढ़ में सड़क पर फेंक दिया। इधर रहवासियों ने घायल को अन्य एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। लेकिन, तब तक देर हो चुकी थी। घटना में एंबुलेंस की टक्कर से घायल व्यक्ति की मौत हो गई।

ग्राम आंकली दीवान व बरखेड़ा राठौर के बीच शनिवार रात सवा आठ बजे के करीब राजस्थान के छायन का खेड़ा जिला झालावाड़ निवासी नारायणसिंह पिता मांगूसिंह उम्र 50 वर्ष पैदल गोपालपुरा गांव में जा रहें थे। इसी बीच आंकली दीवान के समीप पीछे से आ रहीं एंबुलैंस ने उसे टक्कर मारकर घायल कर दिया। एम्बुलेंस चालक और उसके साथी घायल को एंबुलेंस में डालकर शामगढ लाए। मगर सरकारी अस्पताल ले जाने की बजाए उसे डिंपल चौराहा गरोठ रोड़ की ले गए।

बताया जा रहा है कि वहां घायल नारायणसिंह को एंबुलैंस से नीचे गिरा दिया और एंबुलेंस तेज गति से चला कर भगा ले गये। सीसीटीवी कैमरे में यह घटना कैद भी हुई। जिसमें घायल एंबुलैंस से गिरता हुआ नजर आ रहा है। यहां एंबुलेंस का एक दरवाजा भी टूटकर गिर गया। बाद में डिंपल चौराहें पर एकत्रित लोगों ने घायल नारायणसिंह को दूसरी एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर रेफर कर दिया। मगर सुवासरा के आसपास ही उसकी मृत्यु हो गई।

रविवार को जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रणजीतसिंह चौहान, आंकली दीवान के सरपंच तूफानसिंह सिसौदिया सहित अन्य समाजजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे और पुलिस से जांच पड़ताल की मांग की। पुलिस ने घटना स्थल से सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें पूरी घटना रिकार्ड हुई है। पुलिस ने तन्वी होटल के पास खड़ी एंबुलैंस जब्त कर ली है। चालक फरार है, घटना स्थल पर ही एंबुलेंस का साइड का फाटक भी इस दौरान टूटकर घटना स्थल पर गिर गया था। चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने खोजबीन शुरु कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार घटना जननी वाहन से हुई है। मामले में पुलिस जांच कर रहीं है। आंकली दीवान सरपंच तूफानसिंह सिसौदिया ने बताया कि मृतक उनके भानेज थे। आंकली से खाना खाकर गोपालपुरा की और जा रहें थे। इसी दौरान आंकली दीवान व बरखेड़ा के बीच जननी एक्सप्रेस चालक ने जोरदार टक्कर मारी जिससे वे घायल हो गए। पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की हैं। एसडीओपी दिनेश प्रजापति ने कहा कि सीसीटीवी केमरे व अन्य साक्ष्य की पुलिस जांच पड़ताल कर रहीं हैं। एसआई अविनाश सोनी ने बताया कि चालक अर्जुन पिता गोपालसिंह निवासी पांलखंडा को राउंड अप किया है।

कुआ धंसने से ट्रेक्टर-ट्राली सहित गिरे दो युवक, घायल

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। कुआ खुदाई के दौरान धसने ट्रेक्टर -ट्राली सहित कुए में गिरे दो युवक घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर 2 बजे करीब गांव खोखरा में विनोद पाटीदार के कुए की खुदाई का कार्य चल रहा था। भराव के दौरान कुआ धस गया। इस दौरान कार्यरत नेनोरा निवासी दिलीप पिता किशनलाल रैगर व अजय पिता दुलीचंद पाटीदार ट्रेक्टर-ट्राली सहित कुए में गिर गए। जिन्हें लोगों ने बाहर निकाला व इलाज के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया।

॥ सप्तम पुण्यतिथि ॥

पिता जीवन है, शक्ति है, पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है।
पिता की कमी को कोई बांट नहीं सकता
और
ईश्वर भी उनके आशीषों को काट नहीं सकता॥

परम श्रद्धेय

प्रभु मिलनः 5 मई 2018

स्व. श्री विजय कुमार जी शर्मा

(संस्थापक- दैनिक मंदसौर संदेश) (संस्थापक- दशपुर प्रेस क्लब, मंदसौर)

की आज पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन व श्रद्धांजलि

हो गए आंखों से ओझल किन्तु आशीष सदा है साथ,
बीत चुके है सात वर्ष, करते है हर पल, हर दिन आपको याद

॥ श्रद्धानवत ॥

प्रेमलता शर्मा (पत्नी), सुमित-स्वाति शर्मा, संदीप-स्तुति शर्मा (पुत्र-पुत्रवधु), सपना-आशीष भार्गव (पुत्री-दामाद)

दैनिक मंदसौर संदेश परिवार, मंदसौर

कांग्रेस उत्थान के लिए राहुल कामगारों को गले लगा रहे हैं और प्रादेशिक क्षत्रप नेता नगर श्रेष्ठियों को..!

मंदसौर/उज्जैन, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस का पुनरुत्थान होगा यह समय के गर्भ में है। पर यह शाश्वत दृश्य है कि राहुल गांधी मोची की गुमटी में बैठ उससे बतिया आए आम आदमी की तरह, ऐसा ही एक दर्जी से और रेलवे स्टेशन के कुलियों से भी मुलाकात कर भारतीय राजनीति में अस्तित्वगत परिवर्तन का गंभीर प्रयास कर रहे हैं। पहले की भारत जोड़ो और न्याय यात्रा में भी आम लोगों से जुड़ने का प्रयास के साथ देश की सामाजिक भौगोलिक स्थितियों के साथ देशभर की अनेकों क्षेत्रीय संस्कृतियों के साथ रूबरू हो चुके हैं। इन यात्राओं के बाद सामान्य जानकारी और अनुभव के बाद से उनके विपक्ष के नेता की भूमिका में उठाए जा रहे कदमों को विपक्षी दलों के सांसदों में प्राथमिकता से मान्यता मिलने लगी है। इन्हीं अनुभवों के कारण राहुल गांधी कांग्रेस को नए स्वरूप में जन आधार वाला मजबूत संगठन बनाने में जुटे हुए हैं। नई कांग्रेस के उत्थान के लिए राहुल के प्रयासों पर लगातार नजर रखने के कारण ही हम अच्छे प्रयासों को अच्छा और बुरे प्रयासों को नुकसानदायक बताने से संकोच नहीं कर रहे हैं। जैसे राहुल गांधी ने कुलियों से मुलाकात तो कि उनके बेच को भी बांहों पर बांधा और साथ बैठकर खासा समय बतियाते रहे थे। एक साधारण सी गुमटी वाले मोची के पटिए पर बैठकर बतियाते रहे थे। इसी तरह से एक टेलर की दुकान में पहुंचकर कपड़े को नाप अनुसार काटना भी सिखते नजर आए थे। फॉलो अप में यह भी नजर आया कि साधारण गुमटी धारक मोची राहुल को उनके दिल्ली निवास पर सैंडल बनाकर भेंट कर आया, इसी तरह दरजी जैकेट भेंट कर आया था।

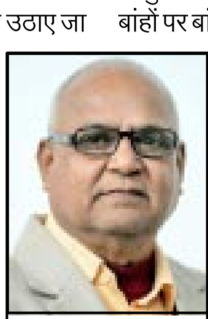
चन्द्रमोहन भगत

ऐसे जमीनी कामगारों से सौहाद्रता बढ़ाते हुए राहुल गांधी के कांग्रेस के जनसाख बढ़ाने के प्रयासों का सकारात्मक असर तो आ रहा है। इससे अलग हटकर प्रदेश के क्षत्रप नेता जो जिलों, संभाग तथा मीडिया, सेवादल, युवक कांग्रेस प्रभारी नेताओं के दौरो पर नजर डालें तो इनके दौरा कार्यक्रमों में प्रभारी और पर्यवेक्षकों को नगर के श्रेष्ठियों के घर भोजन या नाश्ते पर जाने की खबरों से लगता है कि आज भी कांग्रेस के क्षत्रप नेता गलियों, मोहल्लों के आम कार्यकर्ताओं से मिलने मिलाने से गुरेज करते नजर आ रहे हैं। बीते 06 महीनो में मंदसौर जिले में भी अनेक प्रभारियो के दौरे हो चुके हैं। किन्तु किसी ने भी पूर्व प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल की तरह वार्ड और ग्राम पंचायत के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के घरों तक पहुंच बनाने के प्रयास अभी तक तो नहीं किए हैं।

राहुल गांधी भले ही एकला चल की तरह निचले तबके के कार्यकर्ताओं तक पहुंच बना लें। इसी तरह कांग्रेस के पक्ष का जनमत बनाने के लिए जिले, संभाग और प्रदेश के क्षत्रप नेताओं को भी इन्हें सम्मान देकर संगठन में योग्यता के आधार पर महत्व या पद देकर अपनी ताकत बनाना पड़ेगा। वरन राहुल की मेहनत जंगल में मोर नाचा, की तरह नतीजे में कहीं नजर नहीं आएगी!

विचार-मंथन

अब शब्द नहीं, सर्जिकल जवाब चाहिए

इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से कई मोर्चों पर ठोस कार्रवाई की घोषणाएं हुईं। लेकिन इस तरह के कड़े संदेश देने के संकेतों के बावजूद इस दिशा में कोई स्पष्टता नहीं दिख रही है। पहलगाम में आतंकियों की अंधाधुंध गोलीबारी में छब्बीस लोगों की मौत के जैसे ब्योरे सामने आए, उससे स्वाभाविक ही समूचे देश में व्यापक स्तर पर क्षोभ और गुस्से का वातावरण बना हुआ है, लोग बेहद सदमे में हैं। हालांकि सरकार ने तीनों सेनाध्यक्षों के साथ बैठक कर और उन्हें खुली छूट देने की बात करके सभी तरफ यह संदेश देने की कोशिश की है कि इस बार वह आतंकवादियों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगी। मगर देश भर में लोगों की यह अपेक्षा और मांग है कि सरकार उच्चस्तरीय बैठकें करने के समांतर आतंकियों के साथ-साथ उन्हें संचालित करने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की घोषणाओं से आगे बढ़ कर बिल्कुल स्पष्ट कदम उठाती दिखे।इस लिहाज से देखें तो सरकार आतंकियों को लक्षित करते हुए और पाकिस्तान को भी जिम्मेदार ठहराते हुए जो कार्रवाई कर रही है, उससे निश्चित रूप से एक संदेश जा रहा है, लेकिन पहलगाम हमले की प्रकृति को देखते हुए इस मसले पर एक व्यापक स्पष्टता वक्त का तकाजा है। यों इतने बड़े हमले के बावजूद दूतावास में कर्मचारियों की संख्या में कटौती, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा पर पाबंदी, सिंधु जल संधि के क्रियान्वयन को निलंबित करने और अब भारतीय वायुक्षेत्र से पाकिस्तानी विमानों की उड़ान पर पाबंदी जैसे कदम उठाने के बावजूद भारत ने आमतौर पर धैर्य का ही परिचय दिया है। हैरानी की बात यह है कि खुद को कठघरे में देखने के बाद पाकिस्तान अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय उल्टे सीमा पर बिना किसी वजह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन और नाहक ही छिटपुट गोलीबारी कर रहा है। यह एक तरह से भारत को उकसाने की कार्रवाई है। हालांकि इसके बाद भी भारत अभी कोई सीधी कार्रवाई करने को लेकर सावधानी बरत रहा है। सवाल है कि आखिर पाकिस्तान को सीमा पर इस तरह की हरकत करने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है। क्या यह अपने ऊपर लगने वाले आरोपों के बाद बचाव के लिए आक्रामकता का प्रदर्शन नहीं है, ताकि दुनिया का ध्यान आतंकवाद को पालने में उसकी असली भूमिका से भटक सके? यह जगजाहिर हकीकत है कि कई आतंकवादी संगठन भारत में अपनी गतिविधियां संचालित करने के लिए पाकिस्तान स्थित ठिकानों का इस्तेमाल करते हैं। वहां उन्हें आतंक फैलाने की गतिविधियों के प्रशिक्षण से लेकर हथियारों और अन्य संसाधनों की सुविधा मुहैया कराई जाती है। जब भी भारत की ओर से पाकिस्तान की इस भूमिका पर सवाल उठाए जाते हैं, तब पाकिस्तान बिना किसी हिचक के इससे इनकार कर देता है। जबकि कई वर्ष पहले चीन में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणा-पत्र में भी लश्करे-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के पाकिस्तानी सीमा के भीतर स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने को लेकर तमाम सवाल उठाए जा चुके हैं। मगर पाकिस्तान के रवैये में कोई फर्क नहीं आया। अब पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पर यह जिम्मेदारी है कि वह आतंकी हमलों का हिसाब लेने और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देने वाले कुछ ठोस कदम उठाए।

भारत में बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार...

प्रह्लाद सबनानी

दिनांक 7 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत सबसे निचले स्तर अर्थात 87.44 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी। इसके बाद धीरे धीरे इसमें सुधार होता हुआ दिखाई दिया है एवं अब दिनांक 30 अप्रैल 2025 को यह 84.50 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं दिनांक 18 अप्रैल 2025 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेज गति से आगे बढ़ता हुआ 68,610 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है और यह दिनांक 27 सितम्बर 2024 के उच्चतम स्तर 70,489 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के बहुत करीब है। भारतीय रुपए की मजबूती एवं विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब विश्व के समस्त देश अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ युद्ध का सामना करते हुए संकट में दिखाई दे रहे हैं। परंतु, भारत पर टैरिफ युद्ध का असर लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है। यह भी सही है कि हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 109 के स्तर से नीचे गिरकर दिनांक 30 अप्रैल 2025 को 99.43 के स्तर पर आ गया है। शायद अमेरिका भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को कम करना चाहता है ताकि अमेरिका में आयात महंगे हों एवं अमेरिकी निर्यातकों को अधिक लाभ पहुंचे। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और यह दिनांक 22 अप्रैल 2025 को अपने उच्चतम स्तर

3500 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स पर पहुंच गई थी। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार भी धराशायी हुआ है और डाउ जोंस एवं अन्य इंडेक्स में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अब ऐसा आभास हो रहा है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध छेड़े गए टैरिफ युद्ध का विपरीत असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुनः अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुनः यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के विदेशी व्यापार में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न देशों को भारत से निर्यात 5.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 82,093 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं वहीं अन्य देशों से भारत में होने वाले आयात 6.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,519 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि दर अधिक रही है जिसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 9,426 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटे के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ा और रुपया कमजोर हुआ। भारत में कच्चे तेल एवं स्वर्ण का आयात भारी मात्रा में होता है। मुख्य रूप से इन्हीं दो मदों की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी थी, जिसका प्रभाव भारत में अधिक आयात के रूप में दिखाई दिया है। परंतु, अब हर्ष की बात है कि कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल से घटकर लगभग 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल पर नीचे आ गई है और स्वर्ण के महंगे होने के चलते स्वर्ण का आयात भी कुछ कम हुआ है। उक्त दोनों घटनाओं के परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होता हुआ दिखाई दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रही है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पुअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है। जबकि यूरोप के कुछ देशों यथा जर्मनी, कनाडा आदि एवं ब्रिटेन तथा अमेरिका में मंदी की सम्भावनाएं स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में आर्थिक विकास दर में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। लगभग यही हाल यूरोप के कई देशों तथा जापान आदि का है। चीन की आर्थिक विकास दर में भी गिरावट आती हुई दिखाई दे रही है। यदि जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2025 एवं 2026 में गिरावट दर्ज होती है और भारतीय अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर लेती है तो बहुत सम्भव है कि वर्ष 2025 में जापान एवं वर्ष 2026 में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे भारत की आंतरिक मजबूती मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई दे रही है। भारत में अभी हाल ही में महाकुम्भ मेला सम्पन्न हुआ है, इस महाकुम्भ में लगभग 66 करोड़ भारतीय मूल के नागरिकों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी मात्रा में नागरिकों के यहां पहुंचने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बल ही मिला है। महाकुम्भ में भाग ले रहे प्रत्येक नागरिक ने औसत रूप से यदि 2000 रुपए भी प्रतिदिन खर्च किए हों और प्रत्येक नागरिक ने औसतन कुल तीन दिवस भी महाकुम्भ में बिताए हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था को 396,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ पहुंचा है। रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा।

भारत से क्या लड़ेगा, पहले गृह युद्ध से तो निपट ले पाकिस्तान

सुधांशु माहेश्वरी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कई दशकों से आजादी की लड़ाई छिड़ी हुई है। यहां के लोग पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं। यह एक ऐसा इलाका बन चुका है जहां पर पाकिस्तान की सेना भी जाने से कतराती है। इस पूरे इलाके में बलूच लिबरेशन आर्मी का बोलबाला रहता है, यह संगठन ना सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ रहा है बल्कि समय-समय पर पाक सेना पर भी हमले करते रहता है। इस संगठन के अलावा बलोच लिबरेशन फ्रंट, यूनाइटेड बलोच आर्मी और बलोच रिपब्लिकन आर्मी भी सक्रिय है। असल में बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, प्राकृतिक संसाधन का धनी यह इलाका हमेशा से ही विकास से वंचित रहा है। यहां के लोगों को ना रोजगार मिला और ना ही गरीबी से ऊपर उठने का सही मौका। इसके ऊपर पाकिस्तान पर आरोप लगता है कि इसने अपने फायदे के लिए बलूचिस्तान के संसाधनों का दुरुपयोग किया है, वहां की जनता को परेशान किया है। अब तक बलूचिस्तान के लोग अपनी आजादी के लिए कई युद्ध लड़ चुके हैं, अभी भी उनकी तरफ से आंदोलन किए जाते हैं। नाराजगी की वजह यह भी है कि पाकिस्तानी संसद में बलूचिस्तान का प्रतिनिधित्व मात्र 6 फीसदी है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह इलाके में भी लंबे समय से अशांति चल रही है। यहां पर दो सबसे बड़ी चुनौतियां चल रही हैं, एक रही आतंकवाद और दूसरी रही आम जनता की नाराजगी। इस इलाके में भयंकर गरीबी है, वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक 48 फीसदी के करीब आबादी गरीबी रेखा से नीचे चल रही है। पाकिस्तान के अंदर ज्यादातर जो भी आतंकी हमले होते हैं, उसके तार इसी इलाके से जुड़ते हैं। खैबर में दो आतंकी संगठन सक्रिय चल रहे हैं- तहरीक-ए- तालिबान पाकिस्तान और इस्लामिक स्टेट खुरासन प्रोविंस। ये दोनों ही आतंकी संगठन पाकिस्तान में शरिया कानून चाहते हैं, पूरे खैबर पख्तूनख्वाह इलाके में उन्हें अपना कब्जा चाहिए और पाक सेना पर हमला करते ही रहते हैं। इस समय खैबर पख्तूनख्वाह में 'पश्तून तहाफूज आंदोलन' भी चल रहा है। असल में इस इलाके की जनता एक हाईड्रो प्रोजेक्ट का जमकर विरोध कर रही है, आरोप लगा है कि पाकिस्तान की सरकार ने यहां के लोगों की जमीन तो प्रोजेक्ट ली, लेकिन उन्हें मुआवजे का पैसा नहीं दिया गया। पाक अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके में भी जनता जमीन पर उतर चुकी है, पाक सरकार की जमकर फजीहत हो रही है। चेतावनी तक दी गई है कि अगर पाकिस्तान ने यहां आकर एक इंच जमीन पर भी कब्जा किया तो उनकी कब्र यहीं पहाड़ों पर बना दी जाएगी। असल में गिलगित-बाल्टिस्तान में लोग खनिज, जमीन और बिजली संकट को लेकर पाकिस्तान सरकार को जमकर कोस रहे हैं, उन पर गंभीर आरोप लगे हैं। हथियारों के साथ आंदोलन करने की बात कही जा रही है। पाकिस्तान के दक्षिणी प्रांत सिंध में भी इस समय बवाल की स्थिति है। वहां पर विवादास्पद चोलिस्तान नहर परियोजना के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ये परियोजना सेना समर्थित ग्रीन पाकिस्तान इनिशिएटिव (जीपीआई) का हिस्सा बताई जा रही है। अब क्योंकि सिंध और पंजाब क्षेत्र में जल बंटवारे को लेकर संघर्ष बढ़ता जा रहा है, इसी वजह से वहां पर लोग आमने-सामने आ चुके हैं। हिंसक प्रदर्शन में कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। असल में पाकिस्तान इस परियोजना के जरिए रेगिस्तानी भूमि में सिंचाई करना चाहता है। कुल छह नहरें हैं- सिंधु से पांच और भारत नियंत्रित सतलुज से एक। इनके जरिए ही सिंचाई को व्यापक स्तर तक पहुंचाने की कोशिश है। लेकिन एक तरफ पाकिस्तान को भारत ने इंडस वाटर ट्रीटी से पीछे हट झटका दिया है, इसके ऊपर इस परियोजना को लेकर कहा जा रहा है कि इससे जल संकट और ज्यादा गहरा सकता है। पाकिस्तान इस समय कर्ज के जाल में भी बुरी तरह फंस चुका है। लगातार पैसे मांगने की आदत ने पाकिस्तानी सरकार के खजाने को तो खाली किया ही है, इसके अलावा वहां की जनता पर महंगाई की जबरदस्त मार भी पड़ी है। पाकिस्तान को कर्ज का भारी भरकम बोझ जिन देशों को चुकाना या सेटल करना है उनमें सऊदी अरब (5 बिलियन अमरीकी डॉलर), चीन (4 बिलियन अमरीकी डॉलर), यूएई (3 बिलियन अमरीकी डॉलर) और कुवैत (700 मिलियन अमरीकी डॉलर) से हैं।

जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण

हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। यह 'शब्द हिंसा' का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गों की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रामकता का वीभत्स प्रदर्शन है। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा 'सच' बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है। हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज 'सूचना' और 'ज्ञान' को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि 'सूचना' तो समाचार,खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से ही भरा हुआ है। किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजरकर ही कोई सूचना,समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है। यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटो ग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर 'प्रेस' का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं. जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस कौंसिल आफ इंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी, जिसके समक्ष मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर मिला था। बाद में उस कवायद का क्या हुआ पता नहीं।

भारत ने पाकिस्तान को दिया बड़ा झटका...

बगलिहार बांध से रोका चिनाब का पानी

नई दिल्ली, 04 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच एक और बड़ा कूटनीतिक कदम सामने आया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 65 साल पुराने सिंधु जल समझौते को निलंबित करने की घोषणा की थी। अब भारत ने इस फैसले को और आगे बढ़ाते हुए चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध से पाकिस्तान को जाने वाला पानी रोक दिया है। साथ ही किशनगंगा बांध के माध्यम से झेलम नदी के प्रवाह को भी नियंत्रित करने की योजना बनाई जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत बगलिहार (जम्मू के रामबन) और किशनगंगा (उत्तर कश्मीर) में बने हाइड्रोपावर डैम्स के जरिए पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी के प्रवाह को बिना किसी पूर्व सूचना के कम या ज्यादा कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत की ओर से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा संदेश देने की रणनीति का हिस्सा है।

सिंधु जल संधि: अब इतिहास बनने की ओर?

1960 में वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में हुए इस समझौते के तहत सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी पश्चिमी नदियों पर नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया था, जबकि भारत को पूर्वी नदियों का उपयोग करने की अनुमति थी। लेकिन हालिया घटनाक्रमों ने इस संतुलन को तोड दिया है।

पाकिस्तान इसलिए हैं टेंशन में

पाकिस्तान की लगभग 80 प्रतिशत कृषि भूमि सिंधु जल प्रणाली पर निर्भर करती है। इस पानी से वहां सिंचाई, बिजली उत्पादन और रोज़मर्रा की आवश्यकताएं पूरी होती हैं। कराची की एग्रीकल्चर रिसर्च फर्म के घशारिब शौकत ने चेताया है कि भारत के इस कदम से गंभीर जल संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, इस वक्त पाकिस्तान के पास कोई विकल्प नहीं है। यह निर्णय कृषि और शहरी जीवन दोनों को प्रभावित करेगा।

बिलावल भुट्टो का उग्र बयान और भारत की प्रतिक्रिया

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा था, या तो सिंधु नदी में हमारा पानी बहेगा या उनका खून। इस बयान पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जल को युद्ध का हथियार बनाने का कोई नैतिक आधार नहीं है। पाकिस्तान के अन्य राजनेता भी इस फैसले को युद्ध की घोषणा के रूप में देख रहे हैं, जो इस समझौते की पाकिस्तान के लिए अहमियत को दर्शाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5585

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5584

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5584

संकेत: बाएं से दाएं

1. दुनिया की सबसे लंबी गुफा इस देश में है इसकी लंबाई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें एक नदी और जंगल भी है (5)
5. किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा करने पर प्राप्त होने वाला गुणनफल (2)
6. ध्वस्त करना, चूना डालना या दबा डालना (5)
8. एक प्रशंसा सूचक संबंधी उद्गार (3)
10. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी) (2)
11. बिल्कुल नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
13. आसान, सरल, साधारण (3)
17. रस्म, प्रथा, दस्तूर, रीति (3)
18. डींगें मारने वाला, डींगबाज (3)
21. दैत्य, मनोविकार, ... (2)
22. हीन होने का भाव, अभाव (3)
24. एक स्त्री से प्रेम करने वाले आपस में दो व्यक्ति (2)
25. निशान, अनुमान (2)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब की व्यास नदी का नाम, जिसका अर्थ होता है पाशमुक्तकारिणी (3)
2. खोजना, चाहना (4)
3. कमल, कुमुद आदि की लंबी और खोखली डंडी, लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)
4. मनमानी का भाव, ..., हठ (3)
5. यह देश पश्चिमी अफ्रीका में है जिसकी राजधानी अकरा है (2)
7. गंगा नदी को यह भी कहा गया है (5)
9. नाट्य वेश, परिधान, वर्णपर्व (2)
12. असम की पहाड़ियों में पाई जाने वाली एक जंगली जाति, अनुसूचित जनजाति (2)
14. विभिन्न भागों से नाटकों पर आधारित एक दैनिक कार्यक्रम (5)
15. न्यायाधीश, फैसला करने वाला (2)
16. अवरोधहीन, अबाधित (4)
19. जंगल, अरण्य, कानन (2)
20. पंक्ति, श्रेणी, क्रम, सिलसिला (3)

वर्ग पहेली 5583 का हल

अ	भे	रि	का		त		सै
बी	न		म	क	र	ध्व	ज
न	क	र	ना		प	रा	
स		सि		ना	र		म
मा	र	क		म	स्त	की	ला
नी	त		ना	ज		त	
	ला	ना		द		डी	र
ता	ऊ		आ	गी	र		था

मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और मंदसौर जिले के मीडिया प्रभारी समर सिंह ने पत्रकार वार्ता में कहा...

केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना की मांग को स्वीकारना राहुल गांधी की जीत

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। आज 4 मई को कांग्रेस कार्यालय, मन्दसौर में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश प्रवक्ता एवं मंदसौर जिले के मीडिया प्रभारी श्री समर सिंह मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के ऊर्जावान नेतृत्व में मध्यप्रदेश कांग्रेस पार्टी निरंतर जनहित और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर संघर्षरत है।

जाति जनगणना को लेकर श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा जातिगत जनगणना का जो निर्णय लिया गया है, वह श्री राहुल गांधी के लंबे संघर्ष, दूरदर्शिता और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की जीत है। यह निर्णय देश में सामाजिक समरसता और हाशिए पर खडे वर्गों को उनके अधिकार दिलाने की दिशा में एक बडा कदम है। कांग्रेस पार्टी, श्री राहुल गांधी और प्रदेश में श्री जीतू पटवारी के सक्षम नेतृत्व में, हर चुनौती का सामना करने और जनता की हर लडाई लडने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस पत्रकार वार्ता मे जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड भी उपस्थित थे।

श्री समर सिंह ने इस अवसर पर जातिगत जनगणना के बारे मे केंद्र सरकार से कुछ सवाल कर पूछा कि जातिगत जनगणना के आंकडों के संकलन, वर्गीकरण और अंतत: उनके प्रकाशन की स्पष्ट समय सीमा भी घोषित करे। केंद्र सरकार ने वर्ष- 2026 की जनगणना के साथ ही जातिगत जनगणना कराने की घोषणा भी अंतत: कर दी है। यह सामाजिक न्याय की दिशा में एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कदम है। केन्द्र सरकार का यह कदम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री राहुल गांधी की दूरदर्शिता, अथक संघर्ष और जनहित के प्रति उनकी अडिग प्रतिबद्धता की जीत है। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि राहुल गांधी की उस जुझारू और बुलंद आवाज का परिणाम है, जिसने भाजपा सरकार को बार-बार घुटने टेकने पर मजबूर किया है। मध्यप्रदेश की धरती से हम गर्व के साथ कहते हैं कि राहुल गांधी की यह जीत हर उस ओबीसी, दलित, और आदिवासी के लिए एक नई उम्मीद की किरण है, जो दशकों से अपने हक से वंचित रहा है। श्री समर सिंह ने राहुल गांधी जी के संघर्ष के बारे में कहा कि जातिगत जनगणना वर्ष- 2023 से 2024 तक, श्री राहुल गांधी जी ने संसद में, रैलियों में, प्रेस कॉन्फ्रेंस में, और सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। जातिगत जनगणना की मांग को इतनी जोर-शोर से उठाने के पीछे श्री राहुल गांधी का यह स्पष्ट सोच है कि आरक्षण, कल्याण और समावेशन की नीतियां पुराने अनुमानों या मनमाने प्रतिबंधों पर नहीं, बल्कि ठोस तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी जातिगत जनगणना का पहला प्रयोग तेलंगाना राज्य में किया क्या है तेलंगाना मॉडल जातिगत जनगणना का तेलंगाना मॉडल एक प्रभावशाली और समावेशी ढांचा प्रस्तुत करता है। तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण के रूपरेखा एक सलाहकार और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की गई थी, जिसमें नागरिक,समाज, समाज वैज्ञानिकों और समुदायों के नेताओं की सक्रिय भागीदारी थी। यह केवल एक सीमित नौकरशाही कवायद नहीं थी, बल्कि जन सहभागिता और सार्वजनिक निगरानी के लिए पूरी तरह खुली प्रक्रिया थी। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चाहती है कि राष्ट्रीय जातिगत जनगणना के लिए भी इसी प्रकार की प्रक्रिया अपनाई जाए।

श्री सिंह के अनुसार जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस पार्टी यह मांग भी करती है कि अब यह प्रक्रिया किसी भी हालत में और विलंबित नहीं होनी चाहिए। सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लिया जाना चाहिए। संसद में इस विषय पर तत्काल बहस कराई जानी चाहिए। सरकार को इसके लिए तुरंत धन आवंटित करना चाहिए और जनगणना की प्रत्येक अवस्था - प्रश्नावली व पद्धति की तैयारी से लेकर आंकडों के संकलन, वर्गीकरण और अंतत: उनके प्रकाशन तक - के लिए स्पष्ट समय सीमा घोषित करना चाहिए। इस अवसर पर श्री समर सिंह ने कहा कि राहुल गांधी जी ने भाजपा की नाकामियों को उजागर किया, मैं यहां आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं : 1. कृषि कानूनों की वापसी (वर्ष- 2021) : श्री राहुल गांधी ने कॉर्पोरेट-हितैषी तीन कृषि कानूनों को किसान-विरोधी बताकर उनकी जडें हिला दीं। उनकी रैलियों और किसानों के साथ एकजुटता ने भाजपा को घेरा, और अंतत: वर्ष- 2021 में सरकार को ये काले कानून वापस लेने पडे। यह राहुल गांधी की किसान-हितैषी राजनीति की बहुत बडी जीत थी! 2. अग्निवीर योजना में सुधार (वर्ष- 2024) : श्री राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड बताते हुए 3 जुलाई 2024 को लोकसभा में इसका तीखा विरोध किया। शहीद अग्निवीरों के परिवारों के लिए मुआवजा और पेंशन देने की उनकी मांग ने भाजपा को हिला कर रख दिया। अगले ही दिन, 4 जुलाई 2024 को सरकार ने मुआवजा शुरू किया और सुधारों की घोषणा की। यह राहुल गांधी की युवा-शक्ति की जीत थी। 3. ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज बिल की वापसी (वर्ष- 2024) : श्री राहुल गांधी ने अगस्त- 2024 में प्रस्तावित इस बिल को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताकर इसका पुरजोर विरोध किया। उनके नेतृत्व में हुए आंदोलन ने भाजपा को इतना दबाव में ला दिया कि सरकार को बिल वापस लेना पडा। यह लोकतंत्र की जीत थी। 4. लेटरल एंट्री भर्ती रद्द (वर्ष- 2024) : श्री राहुल गांधी ने सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री को ड्ढ, और जइउ समुदायों के आरक्षण पर हमला बताकर भाजपा की साजिश को बेनकाब किया। उनके आक्रामक रुख के कारण अगस्त- 2024 में सरकार ने 45 भर्तियों को रद्द किया। यह सामाजिक न्याय की जीत थी। 5. रेलवे कुलियों की मांगें (वर्ष- 2025) : फरवरी- 2025 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद राहुल गांधी ने रेलवे कुलियों की बदहाली को उठाया। मार्च- 2025 में उनकी मुलाकात और संसद में उनकी मांगों ने भाजपा को सुधारों के लिए सोचने पर मजबूर किया। यह समाज के सबसे निचले तबके की जीत थी। GST दरों में कमी (वर्ष- 2024) : श्री राहुल गांधी ने छोटे व्यवसायों और आम जनता पर ॠद्ध्ढ के बोझ को लेकर भाजपा की आलोचना की। उनके दबाव में वर्ष- 2024 में सरकार ने कुछ वस्तुओं पर ॠद्ध्ढ दरें कम की और चड्ढए के लिए राहत दी। यह मध्यम वर्ग की जीत थी। 7. नोटबंदी और कोविड-19 की भविष्यवाणी : श्री राहुल गांधी ने वर्ष- 2016 में नोटबंदी को अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी बताया, जो RBI की रिपोर्ट से सही साबित हुआ। कोविड-19 लॉकडाउन के आर्थिक प्रभावों की उनकी चेतावनी भी वर्ष- 2020-21 की ॠद्भ्झ गिरावट के साथ सत्यापित हुई। यह उनकी आर्थिक दूरदर्शिता की जीत थी। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि भाजपा की नीतियां हमेशा से कॉरपोरेट हितैषी और वंचित विरोधी रही हैं। लेकिन श्री राहुल गांधी ने अपनी बुलंद आवाज और जन-केंद्रित राजनीति से भाजपा को बार-बार झुकने के लिए मजबूर किया। वही मध्यप्रदेश में भी ओबीसी, दलित, और आदिवासी समुदायों की बड़ी आबादी है, और जातिगत जनगणना उनके हक को सुनिश्चित करने का एक शक्तिशाली हथियार बनेगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह प्रक्रिया पारदर्शी हो और इसका लाभ मध्यप्रदेश के हर वंचित परिवार तक पहुंचे। प्रदेश कांग्रेस को लेकर एक प्रश्न के जवाब में श्री समर सिंह ने कहा हम सबके लिए उत्साहवर्धक और सुखद है कि दिसंबर- 2023 में अध्यक्ष पद संभालने के बाद से ही श्री जीतू पटवारी ने ज़मीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में उत्साह जगाने और पार्टी को एकजुट बनाए रखने की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। उनकी सक्रियता, जनता से सीधा जुड़ाव और सकारात्मक दृष्टिकोण कांग्रेस को एक मजबूत लड़ाकू ताकत के रूप में उभार रहा है। कांग्रेस के कार्यकर्ता एक बार फ़िर पूरे जोश से भरे हुए दिखाई दे रहे हैं, उनके लिए यह बेहद उत्साहवर्धक है कि उनका प्रदेश अध्यक्ष पुलिस की लाठियों, आंसू गैस के गोलों और वाटर कैनन की बौछारों को उनके साथ खड़े होकर, सीना तान कर झेल रहा है। निश्चित रूप से उनकी मेहनत, समर्पण, उत्साह और लगन के आगे हर चुनौती छोटी नजर आ रही है। साथ ही मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी श्री राहुल गांधी और श्री जीतू पटवारी जी के नेतृत्व में एक समावेशी, न्यायपूर्ण, और प्रगतिशील मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। हम मध्यप्रदेश की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि भविष्य में भी हम उनके हक की लड़ाई को इसी मजबूती के साथ लड़ते रहेंगे और भाजपा की हर जनविरोधी नीति का डटकर मुकाबला और प्रतिरोध करेंगे।

पुरातत्व और इतिहास बचायेंगे तो संस्कृति संरक्षित रहेगी-व्यास

जनपरिषद ने पद्मश्री डा. वाकणकर जन्मजयंती पर संगोष्ठी आयोजित की

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। आज भीमबेटका शैलचित्रों की पहचान विश्व में है और यूनेस्को से मान्यता प्राप्त है इसके मूल में मालव अंचल के इतिहास और पुरावेत्ता डॉ वाकणकर का योगदान है। आज हम इतिहास और पुरातात्विक धरोहरों को बचायेंगे तभी भारतीय संस्कृति संरक्षित रहेगी यह कहा नरसिंहगढ़ के साहित्यकार एवं पूर्व संचालक लोक शिक्षण श्री सत्यप्रकाश व्यास ने। आप रविवार को प्रमुख सामाजिक संस्था जनपरिषद मंदसौर चैप्टर द्वारा आयोजित पद्मश्री डॉ विष्णु श्रीधर वाकणकर जन्मजयंती संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। हेमू कालानी चौराहे स्थित पांडेय सभागार में सम्पन्न संगोष्ठी की अध्यक्षता शिक्षाविद एवं इतिहासकार श्री गिरिजाशंकर रुनवाल ने की।

दशपुर प्राच्य शोध संस्थान निदेशक एवं राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक श्री कैलाशचंद्र पांडेय ने कहा कि अविभाजित मंदसौर - नीमच जिले में पुरातात्विक महत्व के अनेक स्थान हैं। 1975 में पद्मश्री डॉ वाकणकर के साथ अंचल में उत्खनन करते हुए अनेक दुर्लभ और प्राचीन प्रतिमाओं को संग्रहित किया और जिला पुरातत्व संग्रहालय को समर्पित की है इन्हें बचाना और ज्ञान के साथ नई युवा पीढ़ी को अवगत कराना महत्वपूर्ण है। श्री पांडेय ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार को पुरातात्विक महत्व के स्थानों को संरक्षित करते हुए जनसाधारण व स्कूली बच्चों को जानकारी के साथ अवलोकन कराना चाहिए तभी इनकी उपादेयता होगी इस दिशा में सरकारें गंभीर नहीं है। सैंकड़ों स्थानों पर केयर टेकर और गाइड ही नहीं हैं। भारतीय शिक्षण मंडल जिला प्रमुख श्री श्याम सुंदर देशमुख एवं शिक्षाविद श्री रमेशचंद्र चंद्रे ने पुरजोर शब्दों में कहा कि पुरातत्व को संग्रहित करें और प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को अवगत कराएं इसे पाठ्यक्रम से जोड़ें आपने कहा कि मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के माध्यम से पहल करेंगे। अभिभाषक संघ पूर्व सचिव श्री अजय सिखवाल ने कहा कि जिले और प्रदेश में पुरातात्विक महत्व की असीम संपदा है इसके प्रति जिलों में गठित समितियां निर्जीव हैं इसके दुष्परिणाम भोगने पड़ रहे हैं। प्राचीन दुर्लभ सामग्रियों, प्रतिमाओं पर तस्करों की नजरें हैं और कई चोरी होगई है।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रांतीय प्रतिनिधि श्री ब्रजेश जोशी दशपुर जागृति संगठन अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पुराणिक, नटनागर शोध संस्थान सीतामऊ प्रतिनिधि डॉ सहदेव सिंह चौहान, अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिलाध्यक्ष श्री नरेंद्र भावसार, वाल्मीकि समाज राष्ट्रीय मंत्री श्री राजाराम तंवर, स्पिक मैके समन्वयक श्री अजय डांगी, पेंशनर महासंघ सचिव श्री नंदकिशोर राठौर, डॉ दिनेश तिवारी, श्री सत्येंद्र सिंह सोम आदि ने संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए सहभागिता की। इसके पूर्व अतिथियों ने पद्मश्री डॉ वाकणकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनपरिषद प्रांतीय सह सचिव वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल, श्री ब्रजेश जोशी, डॉ देवेंद्र पुराणिक, श्री कैलाश चंद्र पांडेय, श्री नरेन्द्र भावसार श्री नंदकिशोर राठौर आदि ने अतिथियों श्री व्यास एवं श्री रुनवाल का स्वागत सम्मान किया। पुष्प मालाओं के साथ शॉल ओढ़ाई। संगोष्ठी में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ गोपाल बैरागी, राजेंद्र सिंह चौहान, अमरसिंह कुशवाहा, अजय तिवारी, महेश शर्मा, अरविंद जोशी, प्रदीप शर्मा शम्भूसेन राठौर, मनीष रुनवाल, मंगल राठौड, हिमांशु पांडे, सिद्धार्थ तंवर आदि उपस्थित थे। संचालन जन परिषद के डॉ घनश्याम बटवाल ने किया। आभार माना शिक्षाविद अजिजुल्लाह ख़ालिद ने।

वर्षा रूपी अमृत जल संग्रहण की तैयारी का समय आ गया-मेड़तवाल

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। जिस प्रकार से एक किसान वर्षा ऋतु आने से पहले बीज बोने के लिए अपना खेत तैयार करता है ठीक उसी प्रकार से हमें ईश्वर द्वारा प्रदत्त अमृत रूपी वर्षा जल को अपने कुएं, नलकूप या सोख्ता गड्ढे संग्रहण हेतु तैयारी कर लेने का यही सही समय है। एक बार अपनी छत की सफाई व पाइप आदि की देखरेख कर लें ताकि वर्षा जल व्यर्थ ना बह जाए।

अपने घर में भरपूर पानी की व्यवस्था करने तथा आपके कुएँ या नलकूप में खारे या मोरे पानी से मुक्ति पाने का यही एकमात्र सस्ता, सरल व सुलभ उपाय है। वर्षा जल संग्रहण तकनीक की स्थापना हेतु नि:शुल्क तकनीकी जानकारी प्राप्त करने हेतु अनुराग संस्था से मोबाइल क्रमांक 9827363040 पर संपर्क करें। उक्त बात समाजसेवी राजेश मेडतवाल ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पदयात्रा में रमेश सोनी, प्रकाश गंधर्व, सुरेश कुमार सावरा, श्रीचंद भावनानी, डॉ. देवेंद्र पुराणिक, राजाराम तंवर, अजीजुल्लाह खान, सत्यनारायण भूरिया आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

जम्मू कश्मीर के रामबन में हादसा...

खाई में गिरा सेना का ट्रक, 3 जवान शहीद

श्रीनगर, 04 मई। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास एक सेना का ट्रक 200-300 मीटर गहरी खाई में गिर गया, जिसमें तीन जवान शहीद हो गए। पुलिस, एसडीआरएफ, सेना और स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान चलाया गया। यह ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहा था और मृतकों को रामबन जिला अस्पताल लाया जा रहा है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि हादसा नेशनल हाईवे-44 पर बैटरी चश्मा के पास सुबह 11:30 बजे हुआ था। सेना का यह ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहे एक काफिले का हिस्सा था। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गया। हादसे के तुरंत बाद, एसडीआरएफ, पुलिस, सेना और स्थानीय स्वयंसेवकों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया गया।

सेना ने दिए हादसे की जांच के आदेश–अधिकारियों की मानें तो हादसा इतना दर्दनाक है कि वाहन दुर्घटना के बाद लोहे के ढेर में तब्दील हो गया। फिलहाल शहीद हुए जवानों के शवों को बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। शुरुआती जांच में पता चला है कि वाहन का संतुलन बिगड़ने की वजह से वह गहरी खाई में गिर गया। तीनों शहीद जवानों के बलिदान को सम्मानित करते हुए सेना ने एक शोक सभा का आयोजन किया। सेना के सीनियर अधिकारियों ने पूरी घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। शहीद हुए जवानों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है।

चप्पे-चप्पे पर सेना तैनात–पहलगाम हमले के बाद से ही जम्मू-कश्मीर में भारी सुरक्षा बल तैनात है। इसकेसाथ ही पहले के मुकाबले इस समय ज्यादा गश्ती की जा रही है। इसी गश्ती के दौरान ये हादसा हो गया, जिसमें 3 जवान शहीद हो गए। पहलगाम में हुए हमले के बाद से ही सेना फुल अलर्ट मोड पर होकर काम कर रही है। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किलेश्वर घाट पर स्वच्छता श्रमदान

नीमच, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगरपालिका परिषद नीमच और म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार प्राचीन जल स्त्रोतों पर स्वच्छता, श्रमदान एवं गहरीकरण कार्य किया जा रहा हैं। इसी क्रम में किलेश्वर मंदिर घाट पर स्वयं सेवी संगठनों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों, न.पा.अधिकारियों और कर्मचारियों ने घाट पर श्रमदान कर सफाई की। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री सीएस धार्वे, जिला समन्वयक श्री वीरेंद्र सिंह ठाकुर जन अभियान परिषद, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री जमनालाल पाटीदार, किलेश्वर महादेव मंदिर समिति अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने श्रमदान में सहभागिता निभाई।

बीएक्सआरटी डिपार्टमेंट रेडियोग्राफी में मोहित ने प्रदेश में प्राप्त किया पहला स्थान

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश बीएक्सआरटी डिपार्टमेंट रेडियोग्राफी में पूरे मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मोहित पिता सुरेश राठोर मंदसौर ने पूरे मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान गोल्ड मेडल प्राप्त कर मंदसौर जिले सहित राठौर तेली समाज का नाम गौरवान्वित किया।

मोहित राठौर के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जबलपुर के आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में म.प्र. के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने गोल्ड मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि मोहित कचेलिया राठौर तेली समाज के जिला अध्यक्ष सुरेश राठौर के पुत्र है। मोहित की इस उपलब्धि पर कचेलिया राठौर तेली समाज व इष्टमित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

अभा साहित्य परिषद की ग्रीष्म कवि गोष्ठी संपन्न

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की ग्रीष्म काव्य गोष्ठी कवि एवं गीतकार श्री वैभव वंदन दिल्ली के मुख्य अतिथि एवं श्री देवेश्वर जोशी की अध्यक्षता तथा पूर्व प्राचार्य बी आर नलवाया, लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय जन भागीदारी अध्यक्ष नरेंद्र त्रिवेदी, निर्माता निर्देशक मनी शामगढ़ वाला, दशपुर रंगमंच के श्री अभय मेहता एवं श्रीमती ललिता मेहता, श्री अजय डांगी, श्रीमती चंदा डांगी, श्री नरेंद्र रानावत, प्रकाश कल्याणी, श्री हेमंत कच्छावा के सानिध्य में संपन्न हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वैभव वंदन का स्वागत सभी ने पुष्पहारों से किया और उनका जन्म दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। काव्य पाठ करते हुए गोपाल बैरागी ने चैत्र, वैशाख ज्येठ माह की सुंदरता का वर्णन अपने गीतों में किया। नरेंद्र राणावत ने गीत कोयल तेरी कुक जगावे हुक सुनाया। श्री अजय डांगी ने कविता मैं खुद को पहचान लूं तब मुझे पहचानना जरूरी नहीं सुनाई। श्रीमती चंदा डांगी ने पहलगाम हमले में मारे गए निर्दोष लोगों का दर्द बयां करती हुई कविता जहां प्रकृति का नजारा वहां पहचान पूछकर मारा सुनाई। नंदकिशोर राठौर ने गीत क्या दोष हमारा है क्यों हमको मारा है सुनाया। नरेंद्र भावसार ने महिलाओं पर कविता रणांगण में उतरी नारियां पुरुष कर रहे जोहर की तैयारी सुनाई। मुख्य अतिथि के रूप में वैभव वंदन ने पहलगाम समस्या पर अपने विचार रखते हुए बताया कि यह सारी समस्या पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के अवैध घुसपैठ के कारण हो रही है इसलिए सरकार को इन पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए। इन्होंने घुसपैठ पर गीत यह जो घुसपैठ है इन्हें निकालो सही देश घर है मेरा धर्मशाला नहीं सुनाया। मनी शामगढ़ वाला ने भी अपने सुरीले दोहों से सभी का मन मोह लिया। नरेंद्र त्रिवेदी ने देशभक्ति गीत सुनाया। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र भावसार ने किया एवं आभार नंदकिशोर राठौर ने माना। कार्यक्रम के अंत में पहलगाम में मारे गए निर्दोषों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं भारत की सरकार से निवेदन किया गया कि निर्दोषों के दोषियों को बख्शा नहीं जावे एवं इसके संचालित कर्ताओं को पूर्ण रूप से दंडित किया जावे।

सोशल मीडिया...अश्लीलता को कैसी आज़ादी..?

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना है, जिसके पास संप्रेषण के लिए भाषा है। भाषा का खत्म होना इंसान का ख़त्म होना है, ऐसा भी कहा जाता है। मनुष्य इस जीव जगत में सर्वाधिक जटिल प्राणी है, जिसे चिन्तन, मनन, स्वाध्याय और स्वाध्याय को गुनने, विश्राम करने (सोने) आदि के लिए एकांत चाहिए होता है। वहीं दूसरी तरफ सेवा, समर्पण, क्रान्ति और अभिव्यक्ति के लिए सार्वजनिक स्थल अथवा जिसे कहें सार्वजनिक मंच की आवश्यकता होती है।

पिछले एक डेढ़ दशक से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर सोशल मीडिया पर जो ताण्डव हो रहा है इस समय वह अपने चरम पर है। मनुष्य के भीतर बहुत अंधेरे है, कलमष, प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या, द्वेष जैसी अनेकानेक विद्रूपताओं का सार्वजनिक केचन हो रहा है। यह केचन भयंकर किसी बड़े आसन्न संकट की दस्तक के रूप में दिखाई दे रहे हैं। सामान्यत: विज्ञान की भाषा में यह माना जाता है कि किसी चुटकुले को सुनकर हंसना एक सामान्य प्रक्रिया है। जबकि इस पर हंसी न आने पर चिकित्सक आपको बीमार कह सकते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से हमारे समाज में भाषा और कन्टेंट (सामग्री, विषय वस्तु) की जो निरन्तर गिरावट आ रही है उसने एक प्रकार से सारी मर्यादाओं को लांघ दिया है। गालियों के डिजिटल एवं अन्य चैनल इसलिए भी अश्लील है की प्रत्येक गाली स्त्री पुरुष, अमीर ग़रीब, लम्बे नाटे, मोटे पतले, काले गोरे, अल्पसंख्यक बहुसंख्यक, दलित गैर दलित और अगड़े पिछड़े के बीच रिश्तों को रेखांकित करते हैं।

जॉन स्टुअर्ट मिल लैसेज फेयर (मुझे अकेला, स्वतंत्र छोड़ दो) और व्यक्तिवाद के सबसे बड़े समर्थक माने जाते हैं। जे. एस. मिल एक बार एक संकरी गली से गुज़र रहे थे, सामने से एक व्यक्ति अपनी छड़ी नचाता आ रहा था, छड़ी मिल साहब की नाक पर जा लगी, मिल ने आपत्ति व्यक्त की तो उन्हें सुनने को मिला... मिल आपने तो व्यक्ति स्वातंत्र्य के औचित्य पर ग्रन्थ लिखा है (ऑन लिबर्टी), क्या आप मेरी मर्ज़ी नहीं चलने देंगे? इस प्रश्न पर मिल मुस्कुराए और धीरे से बोले योर लिबर्टी एंडव्हेयर माई नोज बिगिंग्स (तुम्हारी स्वाधीनता की सरहद वहीं ख़त्म होती है जहां मेरी नाक की सरहद शुरू) विचार या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या किसी अन्य प्रकार की स्वतंत्रता के सन्दर्भ में हम सभी को जे.एस. मिल के उत्तर की इस एक पंक्ति को सदैव याद रखने की आवश्यकता है।

स्टैण्डअप कॉमेडियन एल्विश यादव ने एक शो के दौरान खुलेआम एक रशियन बाला की कीमत पन्द्रह हजार बताकर तथाकथित सभ्य समाज को धत्ता बता दिया था। सोनी टीवी पर टी आर पी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाले द कपिल शर्मा शो के दर्जनों एपिसोड में महिला मर्यादा को तार-तार किया जा चुका है, और हमारा यही तथाकथित सभ्य समाज तालियां पीटता दिखलाई पड़ा। कपिल शर्मा शो में भी रशियन महिला आर्टिस्ट की कीमत (अन्य अर्थ में) छ: हज़ार बताई गई (इस एपिसोड में अक्षय कुमार उपस्थित थे)। बात यहीं तक रुक जाती तो गनीमत थी। स्टैण्डअप कॉमेडियन हर्ष गुजराल ने तो इसे अपना सिग्नेचर डॉयलॉग ही बना लिया है। प्रसिद्ध यू ट्यूबर मिथलेश जिनकी पत्नी रशियन मूल की हैं को अपने उदयपुर प्रवास के दौरान असहज परिस्थितियों से गुजरना पड़ा था। रशियन टीवी कलाकार पॉलिना ने भी लल्लन टॉप चैनल पर अपने एक साक्षात्कार में इस तरह की असहज स्थितियों को बयां किया था। लगभग दो वर्ष पूर्व यू ट्यूबर समय रैना ने अपने डिजिटल शो के प्रसारण में शो में हिस्सा ले रही कुशा कपिला को बेइज़्ज़त करते हुए उन्हें शो के दौरान ही सार्वजनिक रूप से कुतिया कहा था। शो के दौरान कुशा चुप रहीं किंतु बाद में उन्होंने अपना विरोध दर्ज़ किया था।

सोशल मीडिया की क्रांति के इस दौर में स्टैंडअप कॉमेडियन और यू ट्यूबर जिस तरह पंचिंग अप और पंचिंग डाउन के नाम पर महिलाओं, ग़रीबों, पिछड़ों, दिव्यांगजनों, और रंग जैसे अनेकानेक आधार पर और साथ ही सम्भ्रांत वर्ग पर जिस तरह से अभद्र भाषा के साथ द्विअर्थी संवादों के माध्यम से कॉमेडी (हास्य, व्यंग्य) का नाम देकर निशाना साध रहे हैं वह अत्यन्त भयावह तथा जागरूक समाज के लिए एक गहरी चिन्ता का विषय है। अब तो वेब सीरीज, शॉर्ट फिल्मों और फिल्मों में भी नग्नतम गालियों का सैलाब आ गया है। हम यह कहकर की फ़िल्म ही तो है, गाना ही तो है, सीरीज ही तो है, जोक्स ही तो है इन अवांछनीय प्रसारणों को फौरी तौर पर लेते जा रहे हैं। फ़रवरी 2025 में समय रैना के इंडियाज़ गॉट लेटेंट पर जिस एपिसोड का प्रसारण हुआ उसमें सहयोगी और प्रतिभागी यू ट्यूबर रणवीर इलाहाबादियां ने सारी मर्यादाओं को न केवल तार तार कर दिया बल्कि यह अश्लीलता की भी पराकाष्ठ थी। रोस्ट और जोक्स के नाम पर वे अपने माता पिता के शयन कक्ष (बेडरूम) और उनके अत्यन्त निजी तथा अंतरंग क्षणों को घसीट लाए। महाराष्ट्र ही नहीं पूरे देश में इस डिजिटल शो के प्रसारण का घोर विरोध हुआ है और मुम्बई से लेकर असम की राजधानी तक समय रैना, रणवीर इलाहाबादियां, अपूर्वा मखीजा, राखी सावंत, पूनम पांडे, रजत दलाल एल्विश यादव सहित कई लोगों के विरुद्ध पुलिस थानों में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज़ की गई हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग सहित कई राज्यों के महिला आयोगों ने भी संज्ञान में लेते हुए अपने स्तर पर आपत्ति जताते हुए कार्यवाहियां की है। देश के अधिकांश कलाकारों, मीडियाकर्मियों, न्यूज़ चैनल, आमजनों ने इस डिजिटल प्रसारण की भर्त्सना की है। राष्ट्रीय सिने एसोसिएशन द्वारा भी इस प्रकार के डिजिटल प्रसारणों पर पाबन्दी लगाने और कड़े कदम उठाने की पैरवी की है। भारतीय संसद में भी इस प्रकार के डिजिटल प्रसारणों की सीमा रेखा क्या हो तथा नए नियम कैसे हो विषय पर चर्चा हो चुकी है, जो अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आखिर में यहां सवाल यह पैदा होता है कि इस प्रकार के भद्दी गाली गलौज को रोकने का तरीका क्या है? सेंसर शिप के साथ ही जो तरीका सबसे ज़्यादा प्रभावी प्रतीत होता है वह यह की हम और हमारा पूरा समाज प्रो एक्टिव (सतर्क, सजग), दूसरा बॉयकॉट करें (न देखें, विरोध करें) तीसरा कॉल आउट करें। आत्म संयम, आत्म नियंत्रण, जिसे हम आत्मा (ज़मीर) की सेंसर शिप कह सकते हैं को लागू किया जाना सर्वोत्तम उपाय हो सकते हैं। आलेख के अन्त में डिजिटल क्रिएटर, शॉर्ट फिल्मों के उभरते निर्माताओं और वैब सिरीज़ के निर्माताओं के लिए एक मशवरा यह है कि सही ज्ञान, सही तकनीक, ज्वलंत और प्रासंगिक विषय, कठिन परिश्रम, सार्थक विषय वस्तु उठाकर भी सोशल मीडिया से पैसा और नाम कमाया जा सकता है।

डॉ. रवींद्र कुमार सोहोनी

ईकेवायसी नहीं करने पर शासकीय उचित मूल्य दूकानदार को किया सस्पेंड

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर जिला मंदसौर के आदेशानुसार दिनांक 09.04.2025 से दिनांक 15.05.2025 तक विशेष अभियान चलाकर शेष हितग्राहियों की शत-प्रतिशत एघधउ करने हेतु आदेशित किया गया है। जिस संबंध में दिनांक 24.04.2025 को खाद्य विभाग की संयुक्त दल द्वारा औचक निरिक्षण में शासकीय उचित मूल्य दुकान (गायत्री प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार दूकान कोड 1601142) के विक्रेता श्री मोहित पालीवाल अनुपस्थित पाए गए। दुकान का एघधउ प्रतिशत भी जिले के औसत से अत्यंत कम है। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा शासकीय उचित मूल्य दूकान (गायत्री प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मंदसौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उक्त दूकान का संचालन आगामी आदेश तक महाराणा प्रताप प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार को सौंपा गया है।

माता सीता जी ने संसार को पतिव्रत धर्म का पालन की प्रेरणा प्रदान की-पं.शर्मा

नीमच, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का संदेश राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। अयोध्या की महारानी कैकई ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए ब्रह्म रूपी राम को 14 साल के लिए वनवास का राज दिया ताकि राक्षसों का संहार हो सके और ऋषि मुनि राष्ट्र की रक्षा के लिए यज्ञ कर सके। और राष्ट्र का विकास हो सके।

यह बात पंडित दशरथ शर्मा ने कही।वे बालाजी नवयुवक मंडल रामपुरा दरवाजा जावद के तत्वाधान में नो दिवसीय अमृत कलश स्थापना महोत्सव एवं श्री राम कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि माता सीता जी ने संसार को पतिव्रत धर्म का पालन की प्रेरणा प्रदान की। और बताया कि सची पतिव्रता नारी वही है जो सपने में पर पुरुष का दर्शन नहीं करें। भागवत आचार्य

श्री शर्मा ने माता शबरी के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने नौ प्रकार की नवधा भक्ति का संदेश संसार को दिया है और 14 साल राम का प्रतीक्षा की है। आसक्ति स्वयं भी भटकती है और लोगों को भी भटकाती है। इसलिए आसक्ती का त्याग कर अपने जीवन कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। रामऔर भरत का मिलन संसार के लिए प्रेरणा है। नारद मुनि को भगवान ने ही शक्ति प्रदान कर देवता और दानव के यहां जाने की शक्ति प्रदान की है। नारद मुनि की प्रेरणा से ही धुर्व ने 6 वर्ष की अल्प आयु में तपस्या भक्ति कर भगवान की गोद को प्राप्त किया था। जीवन में प्रगति चाहते हैं तो मोबाइल का उपयोग कम से कम करना चाहिए। सीता हरण के लिए रावण को हनुमान जी ने सबसे बड़ा चोर बताया था। हरि अनंत है हरि कथा अनन्त है। युवा वर्ग कथनी और करनी में अंतर करें जैसी बात करें वैसा ही कार्य करना चाहिए। संत परस्थिति बदलते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ राम दरबार पर पुजा अर्चना से हुआ।

दशरथ महाराज श्री ने राम राज्य अभिषेक, श्री लंका, विभिषण, हनुमान जी अशोक वाटिका, सीता जी खोज, सुंदरकांड, राम, करुणा निधान, जानकी, संवाद, मंथरा, पम्पासरोवर, कौशल्या, कैकयी, राजा दशरथ, अरण्य काण्ड, जटायु, सुपर्णखा, राजा अम्बरीष, सुन्दर कांड, चित्रकूट, कैकयी, अगस्त ऋषि, राम, गुरु वशिष्ठ, चार वैद, निषादराज, अयोध्या कांड, , ऋषि मुनि, वैद पुराण, रामेश्वर, नल -नील, अंगद, मेघनाथ, इन्द्र जीत, रामसेतु, राम रावण युद्ध, सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों के वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व पर प्रकाश डाला। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। आरती व रामायण पौथी पुजन में भागवत आचार्य पंडित अशोक भारद्वाज, राजकुमार अहीर, अभिषेक भारद्वाज, संदीप कविश्वर , समिति अध्यक्ष देवी लाल धाकड़, आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राम कथा में श्रद्धालु भक्तों द्वारा प्रसाद वितरण करवाया गया। रामकथा में अठाना, तारापुर, कनेरा, सुखानंद, मंदसौर आदि , ग्रामीण क्षेत्रों सहित बडी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। धर्म सभा का संचालन एडवोकेट सत्यनारायण शर्मा ने किया। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।श्री राम कथा पंडित दशरथ शर्मा भाई जी के श्री मुख से प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक प्रवाहित हो रही है। यज्ञ आचार्य कैलाश नारायण शर्मा सीतामऊ वाले के सानिध्य में प्रायश्चित कर्म यज्ञ मंडप प्रवेश, स्थापित देवता पूजन, यज्ञ शुभारंभ सुबह 8से12 बजे तक एवं शाम 4से 6 बजे तक प्रतिदिन पंच कुंडात्मक पंच दिवसीय यज्ञ में विद्वान पंडितों की उपस्थिति में वैदिक मंत्र उचारण के साथ 12दम्पत्ति जोडों के कर कमलों द्वारा हजारों आहुतियां दी जा रही है। श्रद्धालु भक्तों ने यज्ञ वेदी की परिक्रमा की। श्री राम कथा के मध्य महाराज दशरथ शर्मा भाई जी द्वारा जब श्री राम भरत मिलन प्रसंग के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्व पर प्रकाश डाला तभी भक्ति पांडाल में पस्थित श्रद्धालु भक्तों द्वारा जय जय श्री राम की जय घोष लगाई गई।

दुर्गा वाहिनी का प्रांतीय शौर्य प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिंदू परिषद की दुर्गा वाहिनी के मालवा प्रांत के प्रांतीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग जो की 2 मई से 9 मई सरस्वती शिशु मंदिर जग्गा खेडी मंदसौर में चल रहा है। वर्ग के उद्घाटन सत्र में माननीय आनंद प्रकाश जी गोयल केंद्रीय सह मंत्री व अखिल भारतीय सह प्रमुख धर्म प्रसार केंद्र अजमेर एवं श्रीमान विनोद जी शर्मा विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत मंत्री एवं मातृ शक्ति दुर्गा वाहिनी के पालक ,माननीय डॉ प्रवीण सिंह जी मंडलोई मंदसौर जिला अध्यक्ष एवं वर्ग की प्रमुख एवं दुर्गा वाहिनी प्रांत संयोजिका ज्योति प्रिया शर्मा उपस्थित रहे। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन हुआ दीप प्रज्वलन के बाद एकल गीत, एकल गीत के पश्चात मुख्य वक्ता का मार्गदर्शन सभी बहनों को प्राप्त हुआ। वर्ग की प्रमुख संचालन टोली एवं शिक्षार्थी बहने उपस्थित रही। वर्ग की प्रस्तावना वर्ग प्रमुख ज्योति प्रिया शर्मा दुर्गा वाहिनी प्रांत संयोजिका ने रखी। वर्ग के पालक माननीय विनोद जी शर्मा ,सत्र का संचालन सुश्री निहारिका ठाकुर ने किया। वर्ग में महाप्रबंधक श्रीमती टीना शर्मा ,बौद्धिक प्रमुख सुश्री मानसी उपाध्याय , मुख्य शिक्षिका जागृति कुंभकार है। उक्त जानकारी विहिप जिला मंत्री हेमंत बुलचंदानी ने दी।

पिपलिया अंचल में बरसात के साथ ओलावृष्टि

पिपलियामंडी, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। रविवार दिनभर तेज तपन के बाद रात्रि को तेज बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई। करीब सवा घंटे तक हुई बरसात के दौरान

बिजली भी गुल रही। लग्नसरा के चलते शादी-ब्याह वालों को इस बरसात से काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार अंचल में भीषण गर्मी जारी है। इस बीच रविवार को शाम को अचनाक बादल छा गए। तेज हवाओं व गर्जना के साथ शाम सवा सात बजे तेज बारिश शुरु हो गई। जो निरंतर साढे आठ बजे तक जारी रही। इस बीच छोटे-छोटे ओले भी गिरे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में शादी-ब्याह का समय चल रहा है। अचानक हुई बरसात के बाद बिजली के गुल रहने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि शनिवार को ही विद्युत वितरण कंपनी ने प्रात: 7 से 12 बजे तक बिजली बंद रखकर मेंटनेस कार्य किया था। उसके बावजूद भी बरसात शुरु होते ही रविवार को बिजली बंद हो गई। जो देर रात्रि पौने नौ बजे चालू हुई। नगर के साथ ही अंचल में भी बरसात व ओलावृष्टि के समाचार है।

परमाणु परियोजनाओं की स्थापना में सहयोग के लिये समिति गठित

भोपाल, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन ने एनटीपीसी द्वारा प्रदेश में परमाणु परियोजनाओं की स्थापना के लिए नीमच, देवास, सिवनी एवं शिवपुरी जिलों में चिन्हित 4 स्थलों पर परमाणु परियोजनाओं की स्थापना में सहयोग प्रदान करने के लिए अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मण्डलोई की अध्यक्षता में ज्वाइंट वर्किंग कमेटी का गठन किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/ सचिव जल संसाधन, पर्यावरण, राजस्व, वन और कलेक्टर नीमच, देवास, सिवनी, शिवपुरी, कार्यपालक निदेशक परमाणु एनटीपीसी मुम्बई तथा श्री ए.पी. सनल महाप्रबंधक परमाणु एनटीपीसी मुम्बई को सदस्य नियुक्त किया गया है। श्री संदेश जायसवाल महाप्रबंधक परमाणु एनटीपीसी भोपाल समिति के संयोजक होंगे। समिति द्वारा भू-अधिग्रहण के पूर्व परियोजना अध्ययन में स्थानीय प्रशासन को मार्गदर्शन दिया। समिति द्वारा प्रस्तावित स्थलों के परिप्रेक्ष्य में भूमि अधिग्रहण/क्रय आदि में एनटीपीसी समिति द्वारा जल उपलब्धता एवं आवंटन के लिये समन्वय किया जायेगा। समिति द्वारा समस्त वैधानिक स्वीकृतियाँ जिनमें वन भूमि यदि कोई हो, के लिये समन्वय किया जायेगा। समिति द्वारा प्रस्तावित परियोजना से विद्युत की निकासी के लिए आवश्यक भूमि तथा अधोसंरचना के विकास में समन्वय किया जायेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य प्रारंभ नहीं करने पर 4 उपयंत्रियों का 5-5 दिवस का वेतन काटने का आदेश

नीमच, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं के कार्यों के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने और निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करवाने पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने चार उपयंत्रियों का 5-5 दिवस का वेतन कटौत्रा करने का आदेश जारी किया है।

जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपयंत्री गोपाल कुमावत, उपयंत्री ओमप्रकाश कच्छावा, अशोक मालवीय, अनिल गहलोत के सेक्टर में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्य प्रारंभ नहीं होने पर इन उपयंत्रियों के पांच-पांच दिवस के वेतन काटने के दंड से से दंडित किया गया है। यह जानकारी जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी श्री सुशील दौराया ने दी।

भारतीय सेना से 21 वर्ष देश सेवा पूर्ण कर सूबेदार वीरिन्द्र जांगीड़ का हुआ मंदसौर आगमन

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। 4 मई रविवार को देशभक्ति राष्ट्र सेवा को समर्पित सूबेदार वीरेंद्र जांगिड़ भारतीय सेना से 21 वर्ष देश सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत होकर सकुशल मंदसौर स्थित ऋषियानन्द नगर में अपने घर आने पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर द्वारा माला, श्रीफल व संगठन की कैप पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।

उल्लेखनीय है कि सैनिक के पिता श्री एस.आर. जांगिड़ भारतीय सेवा में सूबेदार के पद से पहले से सेवानिवृत्ति हैं एवं मंदसौर में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद संगठन के मार्गदर्शन पद पर नियुक्त है। इस अवसर पर मंदसौर के विधायक विपिन जैन, समाजसेवी विनय दुबेला, अनिल कियावत एवं अन्य संगठनों ने भी सैनिक के सम्मान में बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। सैनिक के सम्मान में ऋषियानंद नगर, 500 क्वार्टर के विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा व माला पहनाकर सैनिक का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला, मार्गदर्शक श्रवण कुमार त्रिपाठी, पूर्व सैनिक एल एस चंद्रावत, अ.भा.पूर्व सैनिक सेवा परिषद् के जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, ईश्वर लाल पाटीदार, नरेंद्र पाटीदार, ऋषिराज गुर्जर,

दिलीपसिंह सिसोदिया, सज्जन सिंह सिसोदिया, भंवर सिंह सिसोदिया, ओम प्रकाश अहीरवाल, नरेंद्र खटवड़, धर्मेंद्र सोनी, रूपचंद महावर, दिनेश पाटीदार, प्रहलाद राठौड, जितेंद्र माली, रामनारायण गुर्जर, रामनारायण मालवीय, शाकिर अहमद, मिट्ठू सिंह सिसोदिया, अंतिम भाटिया, रोहित प्रजापत, बंसी पाटीदार सहित अन्य सैनिक पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

नीमच जिले में 3 दिवसीय विशेष अभियान के तहत 30 हजार से अधिक ई-केवाईसी की

नीमच, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में उपभोक्ताओं किसानो और हितग्राहियों को खाद्य खसरा सामग्र आधार ई-केवाईसी सुविधाजनक ढंग से हो सके। इस उद्देश्य से जिले में तीन दिवसीय विशेष राजस्व अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कुल 30 हजार 762 शेष हितग्राहियों की ई-केवाईसी की गई। साथ ही 1837 फार्मर रजिस्ट्री भी की गई है। इसी तरह जीरन एवं भदाना में ई-केवायसी कार्य का निरीक्षण कर, समग्र, आधार, फार्मर रजिस्ट्री कार्य का जायजा लिया गया। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार उपखंड मनासा क्षेत्र में इस तीन दिवसीय अभियान के तहत कुल 12383 ई-केवाईसी किए गए और 597 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाई गई। उपखंड नीमच में 7379 हितग्राहियों की ई-केवाईसी की गई और 1011 किसानो की फॉर्मर रजिस्ट्री बनाई गई। इसी तरह उपखंड जावद में 11 हजार हितग्राहियों की ई-केवाईसी की गई और 229 फॉर्मर रजिस्ट्री बनाई गई है।

सीए ब्रांच मंदसौर द्वारा अंतरराष्ट्रीय हास्य दिवस मनाया

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। योग की हमारी प्राचीन परम्परा रही है और अब इसे पूरे विश्व ने अपनाया है। योग के साथ जब हास्य का मिश्रण हो जाता है तो शरीर में एक नयी ऊर्जा का संचार हो जाता है। यह ऊर्जा हमें दिन भर प्रसन्नचित्त बनाये रखती है। मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा विश्व हास्य दिवस पर दशपुर योग संस्थान में अपने सदस्यों व परिवारजनों के लिये आयोजित यह हास्य योग कार्यक्रम निश्चित रूप से आप सबके जीवन में उमंग लेकर आयेगा, ऐसा हमें विश्वास है।

उक्त विचार योग गुरु श्री सुरेन्द्र जैन ने विश्व हास्य दिवस पर मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा आयोजित हास्य योग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मन्दसौर सीए ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने कहा कि सीए प्रोफेशन में हमें प्रतिदिन अपने क्लाइंट की समस्याओं को सुनना व उनका समाधान करना होता है। दिन भर के काम के तनाव का नकारात्मक प्रभाव हमारे पारिवारिक जीवन व हमारे स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है और पिछले कुछ समय में इसी तनाव ने हमारे अनेक साथियों को हमसे असमय छीन लिया है। सीए इंस्टीट्यूट ने इसे अपने संज्ञान में लिया है और इस वर्ष हमारे इंस्टीट्यूट द्वारा कार्य और जीवन के बीच समन्वय बनाने के लिये कमेटी ऑन वर्क लाइफ बैलेंस का गठन

किया गया है। इस कमेटी के माध्यम से प्रत्येक ब्रांच में तनाव को दूर करने व जीवन में नयी ऊर्जा भरने के लिये कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, और इनका सकारात्मक प्रभाव दिखाई देने लगा है। इसी कडी में आज मन्दसौर ब्रांच द्वारा हास्य योग शिविर का आयोजन किया गया और इसमें बिताये गये पल हम सबके जीवन में लम्बे समय तक उर्जा का संचार करते रहेंगे।

शिविर में प्रसिद्ध योग गुरु श्री सुरेन्द्र जैन ने योग क्रियाओं के माध्यम से हास्य व उनके शारीरिक व मानसिक प्रभावों के बारे में अवगत कराया। साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों को बताया कि किस प्रकार नियमित हास्य, जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति लाता है। उन्होंने यह भी आव्हान किया कि हास्य सदैव स्वयं पर होना चाहिए न कि दूसरों पर। जो व्यक्ति स्वयं पर हंसना सीख लेता है वही हास्य का सच्चा आनंद ले सकता है। मन्दसौर ब्रांच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दशपुर योग संस्थान के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। अतिथियों का स्वागत सीए राजेश मंडवारिया, सीए विनय अग्रवाल, सीए नीतेश भदादा, सीए अर्पित नागर, सीए अर्पित मेहता, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए विकास भंडारी, सीए आशीष जैन टारगेट झोन, सीए आयुष जैन, सीए आशीष जैन, सीए सत्यनारायण काला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने सपरिवार अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम का संचालन सीए अर्पित नागर ने किया व आभार प्रदर्शन सचिव सीए नीतेश भदादा ने किया।

विधायक जैन के आव्हान पर शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान को मिल रहा उत्साहजनक प्रतिसाद

रविवार को बड़ी संख्या में श्रमदान हेतु एकत्र हुए समाजजन, संगठन व नागरिक, 14 ट्रॉली जलकुंभी व गंदगी निकाली

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। जागरूक विधायक विपिन जैन के आव्हान पर चल रहे शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान को अपार जनसहयोग मिल रहा है। बड़ी संख्या में समाजसेवी संगठन और नागरिक शिवना तट पर आकर श्रमदान कर रहे हैं। रविवार को अभियान के चौथे दिन 14 ट्रॉली जलकुंभी और गंदगी निकाली गई।

मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने बताया कि शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली शिवना नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने के उद्देश्य से विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में शुरू हुए शुद्धिकरण अभियान को जनसामान्य और सामाजिक संगठनों से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। शहर के विभिन्न सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी और समाज बंधु प्रतिदिन श्रमदान कर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। रविवार को अभियान के चौथे दिन श्रमदानियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इस दौरान लगभग 14 ट्रॉली जलकुंभी और गंदगी नदी से बाहर निकाली गई। नगरवासियों में नदी को स्वच्छ देखने की ललक साफ़ दिखाई दे रही है। स्थानीय नागरिकों ने अभियान की सराहना करते हुए इसे जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया है।

रविवार को श्रमदान में विधायक विपिन जैन, महेंद्र सिंह गुर्जर, मोहम्मद हनीफ शेख, मनजीत सिंह टुटेजा, डॉ. राघवेंद्र सिंह तोमर, बसंतीलाल सोलंकी, विकास दसोरा, तरुण खींची, सुरेंद्र कुमावत, संजय सोनी, विश्वास दुबे ,राजेश फरक्या, सुरेश शर्मा, विजय सिंह सिसोदिया, रमेश सिंगार, विजयसिंह सिसोदिया, साबिर इलेक्ट्रीशियन, संजय नाहर, प्रमोद भावलकर, दशरथ सिंह राठौड़, रमेश बिजवानी, अजय सोनी, विजय जैन, अकरम खान, सादिक गोरी, अमन जैन, शैलेश माली, गगन माली, अर्जुन पाटीदार कृपाल सिंह रामचंद्र मालवीय रिटायर्ड टी आई, मोहम्मद हुसैन, नंदकिशोर गोयल, बसंतीलाल पाटीदार, सुरेश धनगर, राकेश सेन मोहनपुरी गोस्वामी, अभिषेक जैन, ललित धाकड़ मोहनलाल धाकड़ मुर्तजा घड़ीयाली, शुभम उपाध्याय, दिनेश बुलचंदानी, मंगलेश धनोतिया, अशोक सूर्यवंशी, बाबू सूर्यवंशी, अनिल सूर्यवंशी, रवि विनायका ,अमीन खान, राजेश हिंगड़, हीरालाल रेबारी, दुर्गा शंकर धाकड़ ,अभिषेक तिवारी, चौन सिंह सिसोदिया, कन्हैयालाल शर्मा ,एडवोकेट अब्दुल कादिर मंसूरी, मनोहर रत्नावत ,मनोहर गुर्जर, शिव शंकर सोलंकी ,राजेश चौधरी, मिथुन कटारिया, हर्षवर्धन सिंह पवार, वैभव जैन, ज्ञान सिंह राठौड़, चैन सिंह चुंडावत ,निर्मल धाकड़ ,पियूष पाटीदार ,रोहित गंधर्व, ललित भारद्वाज, महिला नेत्रियों में रफत पयामी, इष्टा भाचावत, अनीता भदोरिया, विद्या उपाध्याय, सोनिया जैन, वर्षा दोसरिया कस्तूरीदेवी सोलंकी, शांति बाई धाकड़, कृष्णा प्रजापत, पिंकी खारोल, प्रमिला नाहर, अंशिका उपाध्याय, वर्षा सांखला, अनीता भदोरिया, छोटी सी आशा सेवा समिति की कविता रैकवार, भावना रैकवार, तनुजा कुमावत, मयूरी कुमावत आदि ने श्रमदान किया।

श्रमजीवी पत्रकार संगठन ने भी किया श्रमदान– रविवार को श्रमजीवी पत्रकार संगठन ने भी श्रमदान किया जिसमें सर्वश्री डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा, हेमंत जैन, संजय भाटी, सुरेश भावसार, जगदीश लोहार, संतोष परसाई, जितेन शर्मा, गोपाल मंगोलिया, मोहसिन कुरैशी, शंभू सेन राठौर, रुपेश सोलंकी, राहुल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। जांगड़ा पोरवाल समाज भी आया आगे- जांगडा पोरवाल समाज ने भी शिवना शुद्धिकरण अभियान में सहभागिता की। समाज के रामगोपाल गुप्ता, जगदीश चौधरी, रमेशचंद्र सेठिया, विनोद गुप्ता, दीपक चौधरी सुनील पोरवाल, अजय पोरवाल, सुरेंद्र फरक्या ,राजेश मंडवारिया, प्रहलाद गुप्ता, सुरेश मांदलिया, रामगोपाल सेठिया, जगदीश काला, अशोक गुप्ता, महेश गुप्ता ,रचना पोरवाल ने श्रमदान किया। राजपूत समाज ने भी भाग लिया- श्रमदान में राजपूत समाज में भी भाग लिया जिसमें सर्वश्री के के सिंह भाटी, भूपेंद्र सिंह राठौड़, डी सी चंद्रावत, हनुमंत सिंह राणावत, राजेंद्र सिंह राणा, धर्मपाल सिंह देवड़ा, नेपाल सिंह राणावत, सुंदर पाल सिंह, विजय सिंह पुरावत, डिकपाल सिंह भाटी उपस्थित रहे। हम्माल संगठन भी जूटा अभियान में- हम्माल संगठन ने भी श्रमदान में बढ़चढ़ कर सहभागिता की जिसमें सर्वश्री मोहनलाल ग्वाला, श्री मिश्रीलाल ग्वाला, शब्बू तुलावटी संघ में श्रमदान करने वालों में सर्वश्री पंकज रैकवार, कपिल जैन शामिल रहे। अन्य समाजजन भी रहे शामिल- मोड़ब्राह्मण समाज ने भी श्रमदान किया उसमें सर्वश्री संजय त्रिवेदी, राजेंद्र मोड, मनीष तिवारी, निलेश व्यास, साख डीपी ब्राह्मण समाज ने भी श्रमदान किया जिसमें सर्वश्री पुष्कराज शर्मा, जितेन शर्मा, योगेश शर्मा, दिलीप शर्मा, समाजसेवियों में सर्वश्री महेश दुबे, हरिशंकर शर्मा, मनीष भावसार, सत्येंद्र सिंह सोम, सीमा चौरडिया, योगेश सिंह सोम, रमेश सोनी, मांगीलाल लक्षकार ने अपनी सहभागिता निभाई।

कपिल गर्ग की संदिग्ध मौत के मामले में जांच कर आरोपियों पर कारवाई की मांग

उप मुख्यमंत्री देवड़ा को अग्रवाल समाज ने सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 04 मई गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज देशी पंचायत मंदसौर द्वारा रविवार को मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा से भेंटकर अग्रवाल समाज के होनहार युवा कपिल गर्ग की 29 अप्रेल को उज्जैन की क्षिप्रा नदी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की जांच करवाने ओर दोषियों के खिलाफ कारवाई की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौपा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने मामले में उच्च स्तरीय जांच करवाने का आश्वासन देते हुए मृतक कपिल के पिता सत्यप्रकाश गर्ग को ढांढस बंधाया।

अग्रवाल समाज ने उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा को सोपे ज्ञापन में उल्लेख किया कि कपिल गर्ग ट्रांसपोर्ट के व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। घर से उज्जैन दर्शन की बोलकर अपने दोस्त के साथ गया था , जो संदेहास्पद परिस्थितियों में उज्जैन में रामघाट पर मृत अवस्था में मिला था। प्रारंभिक दृष्टि में यह स्वाभाविक मौत

मालूम नहीं पड़ती इसके पीछे बहुत ही बड़ा षड्यंत्र प्रतीत होता है क्योंकि कपिल एक अच्छा तैराक था और उसका इस प्रकार डूब कर मरना किसी के गले नहीं उतरता। उसके पास सोने की चेन, अंगूठी, नगद रुपया, ओर मोबाइल भी अभी तक बरामद नहीं होना और उसके मित्रों का फोन बंद होना यह सब परिस्थितियों कहीं ना कहीं परिवार और समाज को भ्रमित कर रही है कि यह कपिल की स्वाभाविक मौत नहीं है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि रामटेकरी की हेरिटेज होटल पर 27 एवं 28 अप्रेल को मित्र युगपाल बन्ना, विश्वजीत तोमर के साथ देखा गया। और 28 अप्रेल की रात को राणा जी की होटल पर कुलदीप पुरोहित, अनिरुध्द, विश्वजीत तोमर, एवं युगपाल के साथ कपिल को देखा गया था। और उसके बाद दोस्तो के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करने हेतु निकल गया यह घर वालो को कपिल ने फोन पर बताया। लेकिन 29 अप्रेल को उज्जैन रामघाट पर कपिल की लाश नदी में मिली और कपिल के साथ गए दोस्तो ने घर वालो को घटना की जानकारी नही दी और मोबाइल भी बन्द कर दिया। इसलिए कपिल की मौत संदिग्ध लगती है। ज्ञापन में उल्लेख किया कि समाज आपसे इस दुख की घड़ी में अपील करता है कि जो भी परिस्थितियों रही हो ,उस पर बारीकी से जांच करवाकर समाज के संशय को दूर करें और दुख की घड़ी में परिवार को आश्वस्त करने की कृपा करें। विधिवत जानकारी पुलिस प्रशासन को परिवार द्वारा पूर्व में प्रदान की जा चुकी है। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने परिवारजनों एवं समाज जनों को आश्वस्त किया कि वे आईजी उज्जैन से चर्चा कर मामले की निष्पक्ष जांच करवाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा को ज्ञापन सोपते समय अग्रवाल समाज देशी पंचायत अध्यक्ष आशीष गुप्ता, संयोजक हंसराज कबाड़ी, नरेंद्र अग्रवाल, महामंत्री हेमन्त अग्रवाल, चोधरी संतोष गोयल, ओमप्रकाश मित्तल, रामेश्वर गर्ग, संजय गुप्ता टीटू, निखिल कबाड़ी, रत्नेश गर्ग, प्रवीण गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in